वर्ष 2006-2007 की हिन्दी रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान भारत सरकार की राजभाषा नीति के समुचित कार्यान्वयन के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहा है। संस्थान के सरकारी कामकाज में राजभाषा " हिन्दी " के प्रगामी प्रयोग के प्रचार- प्रसार को बढ़ावा देने तथा सरकार की राजभाषा नीति का समुचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से संस्थान ने वर्ष 2006-07 के दौरान अनेकों कार्यक्रम आयोजित किये। राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों तथा जल संसाधन मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी किये गये दिशा-निर्देशों के अनुपालन में संस्थान के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के माध्यम से बढ़ावा देने का पूरा प्रयास किया जाता है। इस हेतु संस्थान में " सर्वाधिक हिन्दी डिक्टेशन" तथा " सर्वाधिक हिन्दी कार्य " प्रोत्साहन योजनाए लागू की गयी है । संस्थान राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम को ध्यान रखकर अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे वर्ष के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

वर्ष 2006-07 के दौरान राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार प्रसार व विकास में अपेक्षित बृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गयी। इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियाँ इस प्रकार हैं : -

- वर्ष के दौरान संस्थान के प्रशासन, वित्त, रख-रखाव एवं हिन्दी प्रकोष्ठ ने अपना अधिकांश सरकारी कामकाज हिन्दी में निष्पादित किया।

- कर्मचारियों को हिन्दी में प्रशिक्षण देने तथा हिन्दी के प्रयोग के प्रति उनकी झिझक को दूर करने के उद्देश्य से संस्थान में दिनांक 15 मार्च, 2007 को "राजभाषा कार्यान्वयन" विषय पर हिन्दी कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्याशाला में संस्थान के कुल 25 कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया तथा प्रशिक्षण प्राप्त किया।

- संस्थान के हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के सौजन्य से दिनांक 30-31 मई, 2006 को " हिन्दी में तकनीकी एवं इंजीनीयरी शब्दावली" विषय पर संचालित दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्याशाला में कुल 90 कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया तथा प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसमें केन्द्रीय तथा राज्य सरकार के संगठनों के कर्मचारी भी शामिल थे। यात्रा, आवास तथा भोजन का खर्च आयोग द्वारा वहन किया गया तथा इस कार्याशाला में आयोग के भाषा विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गये।

- संस्थान के हिन्दी प्रकोष्ठ ने दिनांक 26-27 सितम्बर, 2007 को "भारतवर्ष के अविरल विकास में जल संसाधनों की भूमिका" विषय पर मुख्यालय रूड़की में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की जिम्मेदारी ली है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की तैयारियाँ चल रही हैं। हिन्दी में प्राप्त शोध पत्र साराशों की समीक्षा तकनीकी सलाहकार समिति द्वारा की जा चुकी है तथा संबंधित लेखकों को अपने पूर्ण शोध पत्र (फुल लेन्थ पेपर्स) प्रस्तुत करने की सूचना भेज दी गयी है।

- वर्ष 2006-2007 के दौरान दिनांक 19 अक्टूबर, 2006 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में हिन्दी में चल रही विभिन्न गतिविधियों की प्रगति समीक्षा के साथ-साथ दैनिक सरकारी कार्यों में राजभाषा हिन्दी के सुचारू कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वर्ष 2006-2007 के लिए विभिन्न गतिविधियों के कार्यान्वयन हेतु कार्य योजना भी तैयार की गई।

- संस्थान के प्रभारी अधिकारी, हिन्दी प्रकोष्ठ ने दिनांक 02 फरवरी, 2007 को क्षेत्रीय केन्द्र जम्मू में हो रहे विभिन्न हिन्दी कार्यों का निरीक्षण किया। प्रभारी अधिकारी, हिन्दी प्रकोष्ठ ने दैनिक सरकारी कामकाज तथा तकनीकी कार्यों में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु क्षेत्रीय केंद्र को आवश्यक सुझाव दिए।

- संस्थान में दिनांक 14-9-2006 से 20-9-2006 तक हिन्दी सप्ताह बड़े जोश तथा उत्साह के साथ मनाया गया। राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं विकास के उद्देश्य से इस सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम/प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन समारोह दिनांक 14 सितम्बर, 2006 को आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर के0गणेश बाबू, निदेशक केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रूड़की थे। सप्ताह के दौरान हिन्दी टंकण, क्विज, वाद-विवाद, काव्य पाठ, नोटिंग/ड्राफ्टिंग तथा हिन्दी आशुलिपि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह दिनांक 20 सितम्बर, 2006 को आयोजित किया गया जिसमें श्री मनोहर लाल शर्मा, उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री स्तर) उत्तराखण्ड आवास एवं नगर विकास सलाहकार परिषद देहरादून मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संस्थान की वार्षिक हिन्दी पत्रिका " प्रवाहिनी" के 13वें अंक का विमोचन किया तथा हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार भी प्रदान किए।

- वर्ष 2006-2007 के दौरान हिन्दी में निम्नलिखित प्रकाशन निकाले गयेः-

प्रवाहिनी __

" **प्रवाहिनी** " के 13वें अंक का प्रकाशन किया गया जिसमें संस्थान के पदाधिकारियों तथा उनके परिवार जनों ने हिन्दी में लेख प्रस्तुत किए। इस पत्रिका में र0ज0स0 सदस्यों के अलावा अन्य लेखकों के लेखों को भी शामिल किया गया। तीन लेखकों को उनकी उत्कृष्ट रचनाओं के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वार्षिक प्रतिवेदन

संस्थान की वर्ष 2005-2006 की वार्षिक रिपोर्ट का हिन्दी अंक अंग्रेजी अंक के साथ-साथ प्रकाशित किया गया।

उपर्युक्त गतिविधियों के अलावा वर्ष 2006-07 के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ हिन्दी में आयोजित की गयीः-

- संस्थान में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यालय परिसर की दीवारों पर हिन्दी के प्रचार प्रसार सम्बन्धी पोस्टर लगाये गये।

- दिनांक 6-10 नवम्बर, 2006 तक मनाए गए सतर्कता जारूकता सप्ताह 2006-07 के दौरान संस्थान के प्रमुख स्थानों पर सतर्कता जागरूकता संबंधी स्लोगन/पोस्टर हिन्दी में प्रदर्शित किए गए।

- संस्थान में दिनांक 27 अक्टूबर, 2006 को नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति, हरिद्वार की वार्षिक आम बैठक आयोजित की गई।

- संस्थान के प्रभारी अधिकारी, हिन्दी प्रकोष्ठ ने न0रा0का0स0 हरिद्वार द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2007 को आयोजित सदस्य संस्थानों के समन्वयकों की वार्षिक बैठक में भाग लिया तथा संस्थान द्वारा किए जा रहे हिन्दी कार्यों का व्यौरा प्रस्तुत किया।

- संस्थान ने ग्रामीण महिलाओं को जल संरक्षण तथा इसके प्रबंधन संबंधी विभिन्न पहलुओं पर जानकारी देने तथा उन्हें जल एवं इसके संसाधनों के उचित उपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए दिनांक 22 मार्च, 2007 को ग्राम-लम्बगाँव (टिहरी गढ़वाल) उत्तराखण्ड में हिन्दी में एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में 45 से भी अधिक महिलाओं ने भाग लिया तथा लाभार्जन किया। इस कार्यशाला में जल संसाधन तथा प्रबंधन को विशेष विषय-वस्तु मानते हुये ग्रामीण स्कूली बच्चों के

लिए ड्राइंग, कविता-पाठ तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गयी। बेहत्तर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में अपेक्षित बृद्धि सुनिश्चित करने तथा भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सदैव प्रयासरत रहेगा।

****